SIG. OF INVIGILATOR

ROLL NO. ……..

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE, LADNUN

(DEEMED UNIVERSITY)

RET AUG. - 2015

PART – III (CONCERN SUBJECT)

JAINOLOGY COMPARATIVE RELIGION AND PHILOSOPHY

NOTE :

1. All questions are compulsory and of objective type. / सभी प्रश्न अनिवार्य एवं वस्तुनिष्ठ हैं।
2. All questions carry equal marks. / सभी प्रश्नों के अंक समान है।
3. Only one asnwer is to be given for each question. / प्रत्येक प्रश्न का एक ही उत्तर देना है।
4. If more than one answer is marked, it would be treated as wrong answer. / एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जायेगा।

51. जैन धर्म के बाईसवें तीर्थंकर हैं– / Twenty second Tirthankar in Jainism is -

(अ) भगवान महावीर / Lord Mahaveer (ब) भगवान अरहनाथ / Lord Arahnath

(स) भगवान विमलनाथ / Lord Vimalnath (द) भगवान नेमीनाथ / Lord Neminath

( )

52. भगवान पार्श्व का जन्म कहां हुआ था– / Lord Parshva was born here-

(अ) काशी / Kashi (ब) गिरनार / Girnaar

(स) अयोध्या / Ayodhya (द) कुण्डलपुर / Kundalpur

( )

53. भगवान महावीर कहां से मोक्ष गये– / Lord Mahaveer got Libration at-

(अ) नालन्दा / Nalanda (ब) पावापुर / Pawapur

(स) सम्मेदशिखर / Sammedshikhar (द) कुण्डलपुर / Kundalpur

( )

54. जैन धर्म की अंतिम वाचना यहां पर हुई थी– / Last Jain Literary council was here-

(अ) वल्लभी / Vallabhi (ब) पाटलीपुत्र / Patliputra

(स) उज्जैनी / Ujjaini (द) राजगिरी / Rajagiri

( )

55. द्वादशांग में से द्वितीय अंग है– / Name of second Anga Canon is-

(अ) सूत्रकृतांग / Sutrakritanga

(ब) ज्ञाताधर्मकथांग / Gyatadharmakathanga

(स) आचारांग / Acharanga

(द) भगवती सूत्र / Bhagvati Sutra

( )

56. दशवैकालिकसूत्र मुख्य रूप से किसका वर्णन करता है–

Dasvaikalika Sutra define specially-

(अ) जैन मुनियों की आहारचर्या / Fooding process of Jain Monks

(ब) दशप्रकार के धर्मों का / Ten Religions

(स) भगवान महावीर का जीवन चरित्र / Life story of Lord Mahaveer

(द) कर्मसिद्धान्त का स्वरूप / Karma Theory

( )

57. आचार्य कुन्दकुन्द ने इस ग्रन्थ की रचना की– / Acharya Kundakunda wrote the text

(अ) पंचास्तिकाय / Panchastikaya

(ब) तत्त्वार्थसूत्र / Tattvarthasutra

(स) द्रव्यसंग्रह / Dravyasangraha

(द) विपाकसूत्र / Vipaksutra

( )

58. तत्त्वार्थसूत्र के रचनाकार हैं– / Author of the Tattvarthsutra is

(अ) आचार्य अमृतचन्द्र / Acharya Amritchandra

(ब) आचार्य उमास्वामी / Acharya Umaswami

(स) आचार्य हरिभद्र / Acharya Haribhadra

(द) आचार्य समन्तभद्र / Acharya Samantrabhadra

( )

59. आचार्य हरिभद्र की रचना है– / The text of the Acharya Haribhadra is-

(अ) षट्दर्शन समुच्चय / Satdarshana Samucchaya

(ब) समयसार / Samayasar

(स) आचारांग / Acharanga

(द) रत्नकरण्डश्रावकाचार / Ratnakarandsravakachar

( )

60. जैन अध्ययन केन्द्र 'एल. डी. इंस्टीट्यूट आफ इन्डोलॉजी' कहां पर कार्यरत है–

A Jain Study Centre "L D institute of Indology is situated at–

(अ) श्रवणवेलगोला / Shravanvelgola

(ब) गिरनार / Girnaar

(स) बनारस / Banaras

(द) अहमदाबाद / Ahmadabad

( )

61. जैनधर्म में 'नान पजेशन' सिद्धान्त जाना जाता है–

Theory of Non-possession is known in Jainism as -

(अ) अस्तेय व्रत / Asteya vrata

(ब) अपरिग्रहवाद / Aparigrahavada

(स) अनेकान्तवाद / Anekantavada

(द) अनात्मवाद / Anatmavada

( )

62. जैनधर्म के अनुसार पदार्थों की संख्या है– / According to Jainism number of matters are-

(अ) पॉच / Five

(ब) सात / Seven

(स) छः / Six

(द) नौ / Nine

( )

63. जैनधर्म में श्रावक के बारह व्रतों में यह सम्मिलित है–

In Jainism this is included in house holder vow-

(अ) अहिंसा महाव्रत / Ahimsa mahavrata

(ब) भाषा समिति / Bhasha Samity

(स) देशव्रत / Deshvrata

(द) वचन गुप्ति / Vachan Gupti

( )

64. जैनधर्म में ग्रहस्थों के व्रतों को कहा जाता है– / House holders vow called in Jainism –

(अ) रत्नत्रय / Three Jewels

(ब) महाव्रत / Major vows

(स) अणुव्रत / Small Vows

(द) चारित्रव्रत / Conduct vows

( )

65. जैनधर्म में जिन शब्द का वास्तविक अर्थ क्या है–

What is the actual meaning of *Jina* in Jain Religion-

(अ) जैनधर्म का साधु / Jain Monk

(ब) जैनधर्म का प्रतिपादक / Jain Preacher

(स) जैनधर्म को मानने वाला / Jain follower

(द) इन्द्रियों को जीतने वाला / Sense controller

( )

66. दान के प्रकारों में यह सम्मिलित है– / This is included in the types of *Dana*

(अ) अभय / Securital Donation (ब) अवधि / Avadhi

(स) मति / Sense (द) संवर / Self-control

( )

67. आहारदान सम्बन्धित है– / Food donation is related to –

(अ) छः द्रव्य से / Six substance

(ब) पॉचज्ञान से / five types of knowledge

(स) चार दान से / Four types of Dana

(द) गुणव्रत से / Gunavratas

( )

68. जैनदर्शन का आधारभूत सिद्धान्त है– / The fundamental theory of Jainism is-

(अ) तत्त्ववाद / Theory of reality (ब) अनेकान्तवाद / Non-absolutism

(स) द्रव्यवाद / Theory of Six substance (द) ज्ञानवाद / Theory of knowledge

( )

69. केवलज्ञान किसे होता है– / Who have omniscient knowledge-

(अ) अरिहन्तों को / Arihant

(ब) ग्रहस्थों को / House holder

(स) मुनियों को / Monk

(द) इनमें से कोई नहीं / None of them

( )

70. रत्नत्रय से सम्बन्धित हैं– / This is related to three Jewels –

(अ) सम्यग्दर्शन / Right faith

(ब) सम्यग्ज्ञान / Right knowledge

(स) सम्यकचारित्र / Right Conduct

(द) उपरोक्त सभी / All of them

( )

71. माउन्टआबु के प्रसिद्ध जैन मन्दिर इस नाम से जाने जाते हैं–

The famous Jain temple of Mount Abu is known by the name—

(अ) शान्तिनाथ मंदिर / Shantinath temple

(ब) देलवाड़ा मंदिर / Delvada Temple

(स) शत्रुंजय मंदिर / Shatrunjaya Temple

(द) गोम्मटेश मंदिर / Gommatesh Temple

( )

72. 2007 में भारत का प्रथम आश्चर्य घोषित किया गया–

The first wonder of India was declared in 2007 –

(अ) ताजमहल / Tajmahal

(ब) खजुराहो मंदिर / Khajuraho Temple

(स) श्रवणवेलगोल स्थित भगवान बाहुबलि की प्रतिमा / Bahubali Statue of Shravanbelgola

(द) अमृतसर का स्वर्ण मंदिर / Golden temple of Amritsar

( )

73. विमल वसही सम्बन्धित है– / Vimal Vasahi is related to-

(अ) सम्मेदशिखर से / Sammedasikhar

(ब) पावापुर से / Pawapur

(स) देलवाड़ा मंदिर से / Delvada temple

(द) उपरोक्त सभी / All of them

( )

74. चन्दनबाला थी– / Chandanvala known -

(अ) राजकुमारी / Like a Princess

(ब) राजग्रह की महारानी / Like a Queen of Rajagraha

(स) भगवान महावीर की प्रथम महिला शिष्या / First lady Disciple of lord Mahaveer

(द) सेठानी / Rich woman

( )

75. जैनधर्म में तीर्थंकर स्वीकृत हैं– / Tirthankaras are accepted in Jainism-

(अ) 15 (ब) 42 (स) 24 (द) 63

( )

76. केशरियाजी मंदिर स्थित है– / Kesharia Ji Temple is situated in

(अ) महाराष्ट्र में / Maharashtra (ब) बिहार में / Bihar

(स) राजस्थान में / Rajasthan (द) उपरोक्त सभी / Gujarat

( )

77. पर्यावरण संरक्षण से सम्बन्धित है– / This food is related to Environment protection-

(अ) दुग्धाहार / Milk food (ब) फलाहार / Fruits food

(स) शाकाहार / Vegetarian food (द) ओजाहार / All of them

( )

78. चातुर्याम धर्म की स्थापना की थी– / Founder of the Chaturyaam Dharma was-

(अ) भगवान महावीर / Lord Mahaveer

(ब) भगवान ऋषभदेव / Lord Rishabh

(स) भगवान पार्श्वनाथ / Lord Parshva

(द) भगवान नेमीनाथ / Lord Neminath

( )

79. सम्यक् दर्शन के अंग होते हैं– / Essential parts of the right faith are-

(अ) निःशंकित आदि आठ / Doubtless etc. eight

(ब) शंकादि आठ / Doubt etc. eight

(स) मति आदि पॉच / Five types of sensory knowledge

(द) अहिंसादि पॉच / Non-violence etc. five

( )

80. जैनधर्म में आगमों की संख्या स्वीकृत है– / Number of Canons accepted in Jainism are-

(अ) बारह / 12 (ब) चौदह / 14

(स) ग्यारह / 11 (द) दस / 10

( )

81. तेरापंथ धर्म संघ के वर्तमान अनुशास्ता हैं–

Present Anushasta of the Terapanth Dharma Sangh is-

(अ) आचार्य महाप्रज्ञ / Acharya Mahaprajna

(ब) आचार्य तुलसी / Acharya Tulsi

(स) आचार्य महाश्रमण / Acharya Mahashramana

(द) मुनि महाश्रमण / Muni Mahashramana

( )

82. जैनदर्शन है– / Jain philosophy is a-

(अ) द्वैतवादी / Dualism

(ब) अद्वैतवादी / Non-dualism

(स) द्वैताद्वैतवादी / Dualism-cum-no-dualism

(द) क्षणिकवादी / Momentary

( )

83. जैनदर्शन में योग को परिभाषित किया गया है– / Yoga is defined in Jain philosophy-

(अ) चित्तवृत्ति निरोध के रूप में / Like non-reflection of mind

(ब) आत्मिकवृत्ति निरोध के रूप में / Like non-reflection of soul

(स) शारीरिकवृत्ति निरोध के रूप मे / Like non-reflection of body

(द) मनवचनकाय निरोध के रूप में / Like non-reflection of mind-body and sound

( )

84. जैनन्याय में प्रमाण के भेद माने गये हैं– / Types of Pramana are accepted in Jain Nyaya-

(अ) दो / 2 (ब) तीन / 3 (स) चार / 4 (द) पांच / 5

( )

85. जैनदर्शन में प्रमाण माना है– / Organs of knowledge in Jain Philosophy is -

(अ) सन्निकर्ष को / Proximity

(ब) मतिज्ञान को / Sensory Knowledge

(स) सम्यग्ज्ञान को / Right Knowledge

(द) आत्मज्ञान को / Knowledge of Soul

( )

86. जैन दर्शन ने मूर्त द्रव्य माने हैं– / Visual substances in Jainism are-

(अ) छः / 6 (ब) पांच / 5

(स) एक / 1 (द) दो / 2

( )

87. पंचपरमागम के रचयिता हैं– / Author of the Panchparmagama is-

(अ) आचार्य महाप्रज्ञ / Acharya Mahaprajna

(ब) आचार्य कुन्दकुन्द / Acharya Kundakunda

(स) आचार्य हेमचन्द / Acharya Hemchandra

(द) आचार्य अकलंक / Acharya Akalanka

( )

88. जैनदर्शन आगम को मानता हैं– / Canonical knowledge in Jain Philosophy is –

(अ) प्रत्यक्ष प्रमाण / Direct Perception (ब) परोक्ष प्रमाण / Indirect Perception

(स) स्वतः प्रमाण / Self Perception (द) अप्रमाण / Non-perception

( )

89. षडकायजीव सम्बन्धित हैं– / Six-fold grouping of living beings are related to-

(अ) स्थावर से / Immobile

(ब) पृथ्वीकाय से / Earth-body

(स) त्रस से / Mobile being

(द) उपरोक्त सभी से / All of them

( )

90. जैनदर्शन के अनुसार आत्मा है– / The Nature of soul according to Jainism is-

(अ) नित्य / Eternal

(ब) अनित्य / Non-eternal

(स) चारभूतों का संघात / Group of four matters

(द) नित्यानित्य / Eternal and non-eternal

( )

91. जैन दर्शन में भाव माने गये हैं– / Feelings or volitions accepted in Jainism are-

(अ) एक / 1 (ब) चार / 4

(स) तीन / 3 (द) पॉच / 5

( )

92. प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त है– / Theory of "chain of dependent origination" belongs to-

(अ) न्यायदर्शन का / Nyaya Philosophy (ब) बौद्धदर्शन का / Buddhist Philosophy

(स) योगदर्शन का / Yoga Philosophy (द) चार्वाकदर्शन का / Charvaka Philosophy

( )

93. योगाचार किस दर्शन से सम्बन्धित है– / Yogachar is related to the philosophy of –

(अ) जैन से / Jain (ब) सांख्य से / Samkhya

(स) बौद्ध से / Buddhist (द) योग से / Yoga

( )

94. किस बौद्ध भिक्षु ने बौद्ध संघ में स्त्रियों के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया–

Who made sure the way of women to enter in Buddhist Sangh-

(अ) उपालि / Upali (ब) नन्द / Nand

(स) आनन्द / Anand (द) कश्यप / Kashyap

( )

95. कर्म के भेद है– / Karma's types are-

(अ) तीन / 3 (ब) पांच / 5 (स) चार / 4 (द) आठ / 8

( )

96. तीर्थंकर प्रकृति के बंध हेतु सहायक है–

This is helpful to bondage of Tirthankara Prakriti-

(अ) अनित्यादि भावना / Non-eternal fancy

(ब) दर्शन विशुद्धि आदि भावना / Pure faith fancy

(स) दान / Donation

(द) जैनधर्म का प्रचार / Publicity of Jainism

( )

97. नामकर्म की कुल प्रकृति हैं– / Types of Physique-making Karma are-

(अ) 43 (ब) 73 (स) 93 (द) 108

( )

98. जैनदर्शन में ज्ञान स्वीकार है– / Knowledge is accepted in Jainism-

(अ) स्वप्रकाशक / Swaprakasak

(ब) परप्रकाशक / Parprakasak

(स) स्वपरप्रकाशक / Swa-par prakasak

(द) अप्रकाशक / Aprakasak

( )

99. अरस्तु सम्बन्धित है– / Aristotle is related to-

(अ) ग्रीक से / Greece (ब) जापान से / Japan

(स) फ्रांस से / France (द) इटली से / Italy

( )

100. आचार्य अकलंक ने परोक्ष प्रमाण को माना है–

Indirect cognition as accepted by Acharya Aklanka-

(अ) सकल प्रत्यक्ष / Complete Perception

(ब) पारमार्थिक प्रत्यक्ष / Parmarthik Perception

(स) सांव्यवहारिक प्रत्यक्ष / Samvyavharika Perception

(द) स्वप्रत्यक्ष / Self Perception

( )

●●●